

अज्ञानानन्द V/3 मिल्यानन्द

24/2/25 पत्रावली पेशा उरी कलिल नकी इत्तपत्ति
सापी व उनके दधिबता सेनो मे
बे कोर इपरिचत नही जाया। मात्त
सगार जरी कार वार लकार कर
कोर इपरिचत नही जाया। सद
पकी इकी स्तर पर इत्तपत्ति
इत्तपत्ति पेशी मे इत्तपत्ति किया जा
ही पत्रावली नम्बर से कम होकर
रखिल रहकर ही।

Handwritten signature

